AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में होली समारोह में झूमते छात्र-छात्राएं। साभार

उड़ा गुलाल, कैंपस में धमाल

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय कैंपस मंगलवार को होली के रंग में सराबोर हो गया है। एक-एक कर जहां मल्ल हॉस्टल में होली समारोह का आयोजन किया जा रहा है। वहीं मंगलवार को के-स्कॉलर्स के लिए भी होली समारोह का आयोजन विवि प्रशासन ने किया। वहीं छात्र-छात्राएं सूद भी दोस्तों के साथ जमकर होली खेल रहे हैं। मुख्य कैंपस से न्यू कैंपस तक होली के आयोजन हो रहे हैं। इसी तरह अन्य स्कूल कॉलेजों में भी छात्र-छात्राओं ने धमाल किया। लविवि के छात्र कल्याण विभाग व सांस्कृतिकी द्वारा मालवीय भवन के सामने खुले प्रांगण में होली समारोह में बहरी मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय मौजूद रहे। छात्रों ने उन्हें अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में छात्रों ने कविताएं प्रस्तुत कीं जो कुछ ने गीतों के साथ रंग गुलाल उड़ाया।

खइके पान बनारस वाला...

कई ने होली के लोकगीतों की प्रस्तुति दी तो 'खइके पान बनारस वाला, बुरा न मानो होली है, होली है भई होली है' आदि गानों पर छात्र जमकर थिरके। कार्यक्रम में अतिथ्य छात्र कल्याण प्रो. पुनम टंडन, प्रो. राकेश चंद्र निदेशक सांस्कृतिकी, डा. अलका मिश्रा आदि मौजूद थे। वहीं महमूदाबाद छात्रावास में विद्यार्थियों ने फिल्मी गानों की धुन पर धमाल किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, डीसप्रोक्ट्स प्रो. पुनम टंडन, चीफ प्रोक्टर प्रो. नीरेश पांडेय, चीफ प्रोक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रोक्टर डॉ. अंबरे शुक्ल आदि मौजूद थे।

विवि के विकास के लिए नए विचारों को दें प्राथमिकता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा है कि छात्रों को विवि परिसर के अंदर पारिस्थितिक विकास की दिशा में पहल करनी चाहिए। उन्हें नए विचारों को पैदा करना चाहिए जो स्थायी भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित हों। वे विवि के समाज कार्य विभाग में आयोजित विश्व समाज कार्य दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। 'को-बिल्डिंग ए न्यू इको-सोशल वर्ल्ड: लिविंग नो वन बिहाइंड' विषयक कार्यक्रम में उन्होंने सभी को मिलकर समाज की बेहतरी के लिए काम करने का भी सुझाव दिया। समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि विश्व समाज कार्य दिवस हर साल मार्च महीने के तीसरे मंगलवार को मनाया जाता है। वहीं समाज कार्य छात्र परिषद की ओर से वाद विवाद प्रतियोगिता, कैरम प्रतियोगिता, शतरंज प्रतियोगिता और फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही कुछ मनोरंजक गतिविधियां पाल्म प्रिंट, अपनी अभिव्यक्ति दें आदि का भी आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में कला संकाय लविवि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम में विजय लक्ष्मी निषाद, आशिका, राजेश कुमार, सौरभ मौर्य शामिल थे। दूसरे स्थान पर लविवि के समाज कार्य विभाग की टीम ने कब्जा किया जिसमें रिद्धिमा कात्यायन मिश्रा, आकृति खरे, सुभाषिनी रावत व वसुंधरा सिंह शामिल थीं। मुमताज पीजी कॉलेज के मो. अयान ने तीसरा स्थान हासिल किया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में उदय मिश्रा, कैरम में अरुण कुमार श्रीवास्तव, शतरंज में राघव त्रिपाठी प्रथम, वाद विवाद प्रतियोगिता में शाश्वत पांडेय को सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार दिया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि में विश्व समाज कार्य दिवस पर आयोजन

लविवि शुरू करेगा डिप्लोमा इन अल्टरनेटिव मेडिसिन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय नए सत्र से डिप्लोमा इन अल्टरनेटिव मेडिसिन शुरू करेगा। इसके अंतर्गत चुंबक चिकित्सा, औषधीय पौधों से होने वाले चिकित्सा पद्धति आदि के बारे में पढ़ाया जाएगा। यह डिप्लोमा एक वर्षीय होगा, जिसमें 10 पेपर होंगे। विभाग की ओर से जल्द ही इसे बोर्ड ऑफ स्टडीज में पास कराकर आगे की कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। विभाग में पूर्व से बीए, बीएससी, एमए-एमएससी इन योगा व पीजी डिप्लोमा की पढ़ाई की जा रही है। संकाय समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि पाठ्यक्रम में यज्ञोपैथी का भी एक पेपर शामिल किया जाएगा। इसमें यज्ञ के द्वारा कैसे खून से होने वाली बीमारी से लाभ मिलता है, इसके बारे में पढ़ाया जाएगा। साथ ही जल चिकित्सा आदि के बारे में भी बताया जाएगा। उन्होंने बताया कि कम्युनिटी कार्यक्रम के तहत शहर में योग व वैकल्पिक चिकित्सा से जागरूकता संबंधित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। ताकि लोगों को योग के प्रति और जागरूक किया जा सके। योग शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

लवी शुक्ला को दिए गए मेडल

लखनऊ। लविवि में गणित की छात्रा लवी शुक्ला को मंगलवार को विभाग में मेडल दिए गए। लवी को दीक्षांत समारोह में सर्वाधिक 13 मेडल के लिए चुना गया था। इसमें 10 स्वर्ण, दो रजत व एक कांस्य पदक शामिल हैं। लवी को दो मेडल दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दिया था। आज हेड प्रो. पूनम शर्मा, प्रो. विवेक सहाय, प्रो. मीना सहाय ने अन्य मेडल प्रदान किए। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

संभाषण में एलयू की उर्मिका को मिला दूसरा स्थान

लखनऊ। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी एवं ज्यूडिशियल अकादमी असम और राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संभाषण में उर्मिका पांडेय को दूसरा स्थान मिला है। उर्मिका एलयू के विधि संकाय के एलएलबी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की छात्रा हैं। प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय के सौ बच्चों ने भाग लिया था।

JAGRAN CITY PAGE I & III

रंग तो कहीं गुलाल... हर चेहरा लाल

हवाओं में गुलाल की सुगंध घुलने लगी है। चेहरे उल्लास के रंग से रंगे हैं। कहीं रंगोत्सव की धूम है तो कहीं गीतों की महफिल सज रही है। स्कूल और कालेजों के गेट से घंटे की रंगत झांक रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय में भी होली की धूम है। मंगलवार को पूरा दिन विश्वविद्यालय प्रांगण रंगों से नहाया हुआ नजर आया। विद्यार्थी कल्याण विभाग व सांस्कृतिकी ने होली पर एक सामूहिक आयोजन किया। खइके पान बनारस वाला..., बुरा न मानो होली है..., होली है भई होली है... समेत अन्य होली गीतों से प्रांगण गूंजता रहा। मालवीय हाल के सामने खुले प्रांगण में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। कवि, काव्य की महफिल भी सजी।

वर्ष की खुशियां : लखनऊ विश्वविद्यालय में होली पर अवसर के दूसरे मंगलवार को ही वह समूह का रंग • जागरण

लखनऊ विश्वविद्यालय के महमूदाबाद छात्रावास में मंगलवार सायं होली मिलन कार्यक्रम में रंगे गुलाल आयोजित किया गया। होली के अवसर पर लोकगीत पर नृत्य करते छात्र। इससे पहले मंगलवार को होली का गान आयोजन का फोटो रहा • सौजन्य : लवि

उड़ान सभा के उपाध्यक्ष ने सभा के सांस्कृतिक हॉस्टल प्रांगण में उड़ान होली का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मौजूद महिलाएं • सौजन्य : मल्ल-3

लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के साथ होली खेलते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय • जागरण »

होली आई रे... दीदार ने वरुण विद्या 4. टीम बनाए उपस्थित पर्व में रंग और गुलाल उड़ रहा था। स्कूल से निकलकर छात्र-छात्राओं ने यहां होली खेली • जागरण »

छात्रा लवि को मिले 10 स्वर्ण, दो रजत

एक कांस्य पदक भी मिला मेधावी बोलीं-आइएएस अधिकारी बनना है लक्ष्य

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में एमएससी मैथमैटिक्स की छात्रा लवि शुक्ला को सर्वाधिक 13 पदक के लिए चुना गया था। इनमें 10 स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। दो रजत पदक उन्हें दीक्षा समारोह में ही मिल गए थे। मंगलवार को बचे हुए 10 स्वर्ण और एक कांस्य पदक गणित विभाग की हेड प्रो. पूनम शर्मा ने अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में लवि को देकर सम्मानित किया।

लवि मूलरूप से लखीमपुर खीरी के रौसा गांव की रहने वाली हैं। उनके पिता संजय शुक्ला की कपड़े की दुकान है। माता सरिता गृहणी हैं। लवि ने लखनऊ विश्वविद्यालय से बीएससी में 79.16 फीसद और एमएससी मैथ्स से 93.7 फीसद अंकों के साथ सफलता पाई है। वह बताती हैं कि दिल्ली में तैयारी कर रही हूं। आइएएस बनकर मुझे एक एजेंडा खोलना है। उन्होंने बताया कि मुझे कुल 13 पदक के लिए चुना गया था। इनमें 10 स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। ये पदक पीजी के सभी संकायों के विद्यार्थियों में बेस्ट छात्रा, विश्वविद्यालय की बेस्ट वूमेन स्टूडेंट होने व सर्वाधिक अंक लाने आदि के लिए मिला है। विश्वविद्यालय में गणित विभाग की हेड प्रो. पूनम शर्मा, प्रो. विवेक सहाय और प्रो. मीना सहाय ने लवि को पदक पाने की बधाई दी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी की छात्रा लवि शुक्ला को 13 पदक देकर सम्मानित करते प्रो. विवेक सहाय, प्रो. पूनम शर्मा व प्रो. मीना सहाय • सौजन्य : लवि

रंगोली प्रतियोगिता में कला संकाय का प्रथम स्थान

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में मंगलवार को विश्व समाज कार्य दिवस मनाया गया। 'को-बिल्डिंग ए न्यू इको-सोशल वर्ल्ड: लीविंग नो वन बिहाइंड' पर हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन रही। इस अवसर पर वाद-विवाद, कैरम, शतरंज और फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. प्रेम सुमन शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। रंगोली प्रतियोगिता में कला संकाय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। फोटोग्राफी में एमएसडब्ल्यू द्वितीय सेमेस्टर के छात्र उदय मिश्रा ने प्रथम, अंकुर सिंह ने द्वितीय और शगुन पांडे ने तृतीय पुरस्कार जीता। कैरम प्रतियोगिता में बीए सोशल वर्क के छात्र अरुण कुमार श्रीवास्तव और शतरंज प्रतियोगिता में एमए एंथ्रोपोलाजी प्रथम वर्ष के राघव त्रिपाठी प्रथम रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में शाश्वत पांडेय सर्वश्रेष्ठ रहे। वहीं, विश्वविद्यालय के मानवाधिकार विभाग और अन्य विभागों के शोधार्थियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों को मिली ग्राहक अधिकारों की जानकारी

अंबेडकर विश्वविद्यालय के मानवाधिकार विभाग द्वारा विश्व उपभोक्ता दिवस पर मंगलवार को आनलाइन व्याख्यान आयोजित हुआ। 'उपभोक्ताओं के अधिकार और कर्तव्य' विषयक व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने विश्व उपभोक्ता दिवस के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निष्ठा जसवाल ने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक किया। 'उठ भखमूती के प्यारे ग्राहक जान' कविता से प्रो. निष्ठा ने अपने व्याख्यान को रोचक किया। कार्यक्रम में विधि अध्ययन विद्यापीठ की संकाय अध्यक्ष एवं मानवाधिकार विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति मिश्रा (निदेशक), डा. अजय सिंह कुशवाहा, प्रो. प्रीति बघेरना (निदेशक सीपीजीएलएस), प्रो. शशि कुमार, डा. राशिका अंतहर व राशेद बिरवल मौजूद रहे। वहीं, विश्वविद्यालय के मानवाधिकार विभाग और अन्य विभागों के शोधार्थियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 3

ऐसा उड़ा गुलाल... विश्वविद्यालय का आंगन हुआ लाल

लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार का दिन अद्भुत और ऐतिहासिक रहा....अवसर था उड़े रे गुलाल नाम से होली मिलन कार्यक्रम...फिर क्या समूचा परिसर अबीर-गुलाल से लाल हो गया...ऐसी मस्ती देख कुलपति प्रो. आलोक रॉय भी न रुक सके और सबके साथ खेली होली.... फोटो : स्वपन पॉल

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को पूरा दिन होली की धूम रही तथा विश्वविद्यालय प्रांगण रंगों से सराबोर हो गया। स्थिति यह थी कि विवि में जगह-जगह होली पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान छात्र कल्याण विभाग व सांस्कृतिकी ने एक सामूहिक कार्यक्रम लविवि स्थित मालवीय भवन के सामने खुले मैदान में आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लविवि के कुलपति प्रो. आलोक राय सहित अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग प्रो. पूनम टंडन, सांस्कृतिकी डायरेक्टर प्रो. राकेश चन्द्रा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। यहां किसी ने कविता पाठ किया तो किसी ने रंग गुलाल उड़ाकर होली की मस्ती की। इस अवसर पर लोक गीतों की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केन्द्र रहो। उधर होली के पावन अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के महमूदाबाद छात्रावास में 'उड़े रे गुलाल' नाम से होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके तहत रंगारंग कार्यक्रम, गायन, नाटक और नृत्य का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से अफगानिस्तान के काबुल से आये हुए छात्र मसीह एलहम का गाना आकर्षण का केन्द्र बना। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और उनका समस्त परिवार , चीफ प्रवोस्ट नलिनी पांडेय, मुख्य कुलानुशासक प्रोफेसर डा. राकेश द्विवेदी, सम्पूर्ण प्राक्टोरियल बोर्ड समस्त छात्रावासों के प्रवोस्ट और असिस्टेंट प्रवोस्ट, चौकी इंचार्ज लखनऊ विश्वविद्यालय राहुल तिवारी मौजूद रहे। यह कार्यक्रम महमूदाबाद छात्रावास के समस्त अन्तःवासी द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें अन्य छात्रावासों के छात्र भी मौजूद थे।

TOI PAGE 5

Riot of joyous colours on LU grounds

Times News Network

Lucknow: It was a riot of colours on Lucknow University campus as students celebrated Holi after two years of gap due to Covid-19 pandemic.

Sanskritki, the university's cultural wing, and the dean, students' welfare department, jointly organized Holi celebrations in the lawn.

LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai, dean, students' welfare, Prof Poonam Tandon and Sanskriti director Prof Rakesh Chandra enjoyed the celebrations where students were seen applying bright colours on them.

Students recited poetries and sang songs to entertain their teachers. The highlight of the programme was the folk songs by students.

"We were excited as after two years, we could see the campus bubbling with joy. We had a lot of fun. Our group decided to stay back, celebrate Holi and then leave for our hometowns," said Rashmi, an undergraduate student.

"This is an auspicious occasion. This festival is also a messenger of spring season," Prof Tandon said.

Photos: Manoj Chhabra & V Sunil

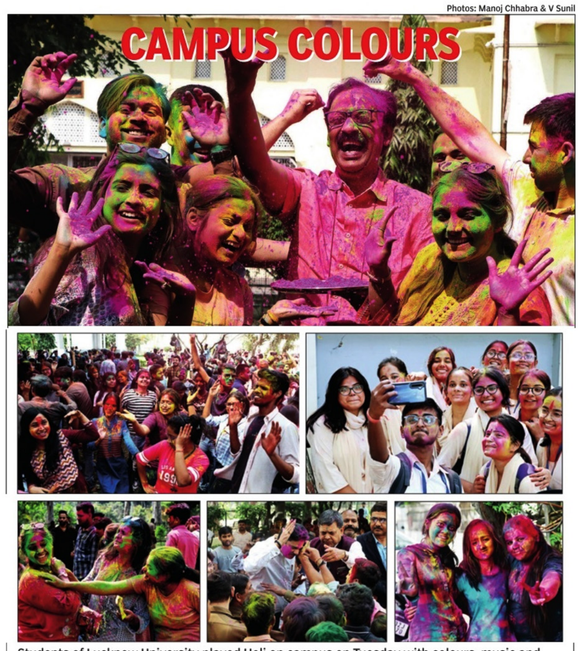

Students of Lucknow University played Holi on campus on Tuesday with colours, music and dance. A cultural event was organized at Mahmudabad Boys' Hostel. Students at National PG College and other institutions also played with colours before parting for the Holi break

AMRIT VICHAR PAGE 5

लविवि परिसर में रंगोत्सव में गुलाल उड़ाकर नृत्य करते छात्र-छात्राएं। फोटो : अमृत विचार

FIRST INDIA PAGE 13

Bura Na Mano Holi Hai!!

CITY FIRST

Holi celebrations are taking place all across the country. The Student Welfare Department and Cultural Affairs, Lucknow University, held a mass event on Tuesday.

The Vice-Chancellor, as well as Prof Poonam Tandon, Dean of the Student Welfare Department, and Prof Rakesh Chandra, the university's Cultural Director, attended the celebration, which was held at the open courtyard in front of Malviya Bhawan.

Students performed poems and music, including folk music, to commemorate the occasion. Chants like Khaike Paan Banaras Wala, Bura na mano Holi hai, Holi Hai Bhai Holi hai, and others resonated across the courtyard.

All in all, it was an event full of joy.

परीक्षाएं 25 अप्रैल से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएससी प्रथम सेमेस्टर बाटनी की प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथियां तय कर दीं। ये परीक्षाएं 25, 26 और 27अप्रैल को विश्वविद्यालय में होंगी। इस संबंध में विभाग की हेड प्रो. नलिनी पांडेय ने नोटिस जारी किया है। (जासं)

चुंबक, यज्ञ और जड़ी-बूटी के उपयोग जानेंगे विद्यार्थी

लगेगी योग की पाठशाला

जासं लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के विद्यार्थी अब योग में चुंबक, यज्ञ और जड़ी-बूटियों से किए जने वाले उपचार के बारे में पढ़ेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय के योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय में डिप्लोमा इन अल्टरनेटिव मेडिसिन पाठ्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। विभाग के शिक्षकों ने इसका कोर्स तैयार कर लिया है। जल्द ही बोर्ड आफ स्टडीज और फैकल्टी बोर्ड में इसका प्रस्ताव रखकर अनुमति ली जाएगी।

लवि के नवीन परिसर में योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय में बीए बीएससी, एमए एमएससी और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है। अब नया डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की तैयारी है। संकाय के कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि इस कोर्स में 10 पेपर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में 100-100 अंक के पांच पेपर और 100 अंक की प्रयोगात्मक परीक्षा का प्रस्ताव है। इसमें शरीर की संरचना, उसके कार्य चुंबकीय चिकित्सा से कैसे इलाज किया जाता है, यह भी बताया जाएगा। जड़ी बूटी चिकित्सा में औषधीय पौधों को पहचान कर उससे उपचार के बारे में भी विद्यार्थी पढ़ेंगे। चिकित्सा में किरणों से होने वाले लाभ, नर्वस सिस्टम की समस्या दूर करने, यज्ञोपैथी पेपर के माध्यम से खून में होने वाली बीमारी से निजात पाने के विषय में भी पढ़ाया जाएगा। एरोमाथेरेपी प्राकृतिक सुगंध, मसाज के प्रकार, कौन सा तेल फायदेमंद है, कितने समय तक मसाज करनी है, कौन-कौन सी बीमारी होने पर मसाज न कराने से लेकर जल चिकित्सा से होने वाले लाभ भी कोर्स में शामिल किया गया है।

अध्ययन | लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर ने अपनी टीम के साथ किया शोध

मंदिर के फूलों से बनाया हर्बल गुलाल व तेल

अखिल सक्सेना • लखनऊ

अब मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर चढ़ाए गए फूलों को इधर-उधर फेंकने की जगह उसका प्रयोग हर्बल गुलाल, सुगंधित तेल सहित कई चीजें बनाने में किया जा सकेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ला ने अपने शोधार्थियों के साथ इन फूलों की मदद से शोध कर यह निष्कर्ष खोजा है। टीम ने मंदिरों से गुलाब, गेंदा, तुलसी की पत्ती, चमेली के चढ़ाए हुए फूलों का प्रयोग कर पांच से अधिक प्रोडेक्ट तैयार कर किए हैं।

प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ल बताते हैं कि भारत के मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर हर साल लगभग 800 मिलियन टन फूल चढ़ाए जाते हैं। इनमें मुख्यतः लाल गुलाब, पीले गेंदा आदि शामिल हैं। देश में प्रतिदिन लगभग 300 टन फूलों का कचरा निकलता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वाराणसी और प्रयागराज धार्मिक गलियारा प्रतिदिन करीब 70-100 टन धार्मिक कचरा उत्पन्न करता है, जिसकी वजह से गंगा नदी का आक्सीजन का स्तर भी कम हो गया है। हालांकि, फेंके गए इन फूलों से तमाम तरीके के उत्पाद बनाए जा सकते हैं। इसी दिशा में कार्य योजना बनाकर शोध किया गया है।

गुलाब के फूलों से तैयार किया गया सुगंधित तेल • सौजन्य : लवि

गुलाब जल, पाउडर भी बनाया

शीशे के जार में पानी और गुलाब की पंखुड़ी डालकर 40 डिग्री तापमान पर गर्म किया। एक से दो घंटे बाद उसका तापमान 60 डिग्री तक बढ़ाया। आठ घंटे की प्रक्रिया के बाद गुलाब जल (रोज वाटर) तैयार किया गया। गुलाब की इन पंखुड़ियों को सुखाकर सुगंधित पाउडर बनाया। प्रो. अमृतेश ने बताया कि गुलाल बनाने के लिए फूलों को अलग-अलग कर साफ किया गया। फिर छांव में उसे सुखाकर करीब दो घंटे तक पानी में उबाला, ताकि उनका रंग निकल सके। फिर इस रंगीन पानी को अरारोट में मिलाकर सुखाया और गुलाल तैयार हो गया।

हनुमान सेतु से फूल लेकर किया शोध: प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ल बताते हैं कि गुलाब में तेल की मात्रा बहुत कम (0.2- 0.5 फीसद) होती है, इसलिए गुलाब के सुगंधित तेल को डिस्टिल करने के लिए बड़ी मात्रा में गुलाब के फूलों की आवश्यकता होती है। इस शोध की शुरुआत हनुमान सेतु मंदिर में चढ़ाए गए गुलाब-गेंदा के फूलों से की। विभाग की बायोलाजिकल प्रोडेक्ट लैब में फूलों को अलग किया। गुलाब के फूलों को सुखाने के बाद हाइड्रो डिस्टिलेशन और स्टीम डिस्टिलेशन तकनीक से इन फूलों से सुगंधित तेल निकाला। इस प्रक्रिया में आठ से 16 घंटे का समय लगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ल व उनके शोधार्थी द्वारा मंदिरों में चढ़ाए गए फूलों से तैयार किया गया हर्बल गुलाल • सौजन्य : लवि